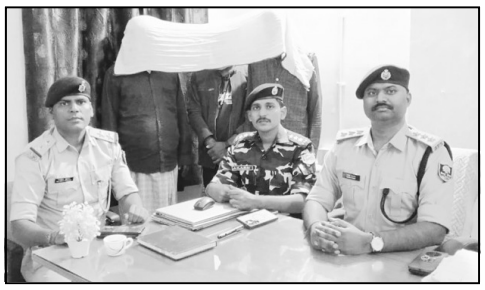
भारत–नेपाल सीमा पर मादक पदार्थ तस्करी का भंडाफोड़

2.050 किलो अफीम के साथ तीन गिरफ्तार

मोतिहारी (आससे)। भारत–नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छौड़ादानों पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को बड़ी सफलता हाथ लगी है।

पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 2.050 किलोग्राम अफीम जैसे मादक पदार्थ के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान तस्करी में प्रयुक्त एक ई–रिक्शा और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 08 नवंबर 2026 को महुआवा स्थित एसएसबी की 71वीं वाहिनी के ए समवाय को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्तियों द्वारा



नेपाल से मादक पदार्थ की खेप भारतीय क्षेत्र में लाई जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए इसके सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर रक्सौल श्री मनीष आनंद के नेतृत्व में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम गठित की गई। गठित टीम ने स्क्क्के जवानों के साथ मिलकर छौड़ादानों थाना क्षेत्र के ग्राम घरहरी के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध ई–रिक्शा की तलाशी ली गई, जिसमें से 2.050 किलोग्राम अफीम जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। मौके से तीन व्यक्तियों को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान छौड़ादानों थाना क्षेत्र के मसही गांव निवासी फिरोज अहमद, पिता ताज मोहम्मद, जीतपुर निवासी विपिन कुमार, पिता विनोद चौधरी तथा नेपाल के बारा जिला अंतर्गत सिमरोनगढ़ के पकड़िया (चिकनी) निवासी दिलीप कुमार, पिता नंदू सहनी के रूप में हुई है।तीन मोबाइल और ई–रिक्शा भी जब्त ।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2.050 किलोग्राम अफीम जैसा मादक पदार्थ, एक ई–रिक्शा और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

महादलित बस्ती में खुशियां बांटने पहुंची पुलिस

रामगढ़वा (आससे)। दीपावली का पर्व खुशियों, प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द का प्रतीक माना जाता है। इसी भावना को साकार करते हुए दीपावली के शुभ अवसर पर रामगढ़वा पुलिस की ओर से एक सराहनीय सामाजिक पहल की गई। बाजार स्थित महादलित बस्ती धागाड़ टोली में पुनि सह थानाध्यक्ष संजीव मौआर पुलिस टीम के साथ पहुंचे और बस्ती के बच्चों एवं उनके परिवारों के बीच मिठाई, पड़ाका वितरित कर दीपावली की खुशियां साझा कीं इस दौरान थानाध्यक्ष ने बच्चों से आत्मीयता के साथ बातचीत की और उनकी पढ़ाई–लिखाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को मिठाई देते हुए कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और मिठाइयां बांटने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह जीवन में खुशियों, सकारात्मक सोच और नई उम्मीदों का संदेश भी देता है।

शॉर्ट सर्किट से महादलित टोला में लगी आग
८ घर जलकर राख, शादी का सामान भी नष्ट

कल्याणपुर। प्रखंड अंतर्गत दरमाहा पंचायत के वार्ड संख्या–2 ब्रित टोला महादलित बस्ती में बिजली के शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लगने के कारण आठ घर जलकर राख हो गए। इस अगलगी में लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। घरों में रखे कपड़े, अनाज, फर्नीचर, नकदी, आभूषण और शादी के सामान भी आग की भेंट चढ़ गए अगलगी में 1अनीता देवी पति केदार पासवान, 2 श्री हजरा पिता सादिक हजरा 3 परमा पासवान पिता सादिक पासवान 4 चूल्हाई हजरा पिता सादिक पासवान, 5 सविता देवी पति राकेश पासवान,6 प्रियंका कुमारी पति अवधेश पासवान, 7 लक्ष्मण हजरा पिता मटुक हजरा 8 परखनी देवी पति सादिक पासवान के घर जलकर नष्ट हो गए।घटना से दो परिवारों की शादी की खुशियां भी प्रभावित हुई हैं। परमा पासवान की पुत्री की शादी 30 नवंबर 2026 को निर्धारित थी। शादी के लिए खरीदे गए पलंग, टेबल, कुर्सी, गद्दा, रजाई और कपड़े सहित अन्य सामान जलकर राख हो गए। वहीं, चूल्हाई पासवान के पुत्र की शादी के लिए खरीदे किए गए करीब दो लाख रुपये के सामान भी आग में नष्ट हो गए।

इसके अलावा घरों में रखे करीब पांच लाख रुपये के सामान, नकदी और आभूषण जलने की बात बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही दरामाहा पंचायत के मुखिया के पुत्र शुभम कुमार सिंह पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे। उन्होंने पीड़ितों से मिलकर समस्या देखा और आश्वासन दिया कि इस दुख की घड़ी में वे उनके साथ हैं तथा हरसंभव मदद करेंगे।वहीं, दरमाह पंचायत और राजपुर पंचायत की सीमा पर घटना होने के कारण पड़ोसी राजपुर पंचायत के मुखिया सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता भी मौके पर पहुंचे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा सरकारी लाभ प्रक्रिया के तहत राहत एवं सहायता दिलाने के लिए आवश्यक पहल करने का भरोसा दिया। दोनों मुखिया ने कहा कि पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद दिलाने का प्रयास किया जाएगा इधर, पीड़ित परिवार की ओर से अंचलाधिकारी को लिखित आवेदन देकर अगलगी की जानकारी दी गई है। पीड़ितों ने प्रशासन से क्षति का आकलन कराकर सरकारी प्रावधान के अनुसार उचित मुआवजा एवं राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है। घटना के बाद पूरे टोले में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

छठपर्व की सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट
अधिकारियों ने किया घाटों निरीक्षण

हरसिद्धि (आससे)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर हरसिद्धि में प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में सोमवार को अनुमंडल पदाधिकारी सुजीत कुमार और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पंकज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में अधिकारियों की संयुक्त टीम ने थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थानों, नदी, पोखरों और भीड़भाड़ वाले छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने घाटों की स्थिति, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय प्रकाश राय, अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी और थानाध्यक्ष सुनील कुमार भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्थानीय मुखिया और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर छठ घाटों पर साफ–सफाई, पर्याप्त रोशनी, पहुंच पथ और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक जानकारी ली। साथ ही घाटों पर पुलिस बल, पुलिस पदाधिकारियों और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति तथा नदी और गहरे पोखरों में गोताखोरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि डीएसपी पंकज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में छठ घाटों की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर निरीक्षण किया गया है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रशासन का उद्देश्य छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना है।

52 घाटों पर सफाई एवं सुरक्षा की तैयारी तेज

चकिया (आससे)। लोक आस्था के महापर्व छठ शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एंव भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने को लेकर नगर प्रशासन ने कमर कस ली है। नगर परिषद क्षेत्र सहित विभिन्न जगहों पर छठ घाटों की साफ–सफाई और व्यवस्था दुरुस्त करने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। वहीं, नगर परिषद की ओर से छठ महापर्व को लेकर विशेष मास्टर प्लान भी तैयार किया गया है।इस संबंध में नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी वीरेंद्र मोहन ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में कुल 52 छोटा–बड़ा छठ घाट सूचिबध्द है। इनमें सर्वाधिक भीड़ भाड़ वाले घाटों में बारा घाट, मन चौक, हिंदू चकिया गांव स्थित सर्यूग मठ घाट तथा कुअवां गांव छठ घाट आदि शामिल है।उन्होंने बताया कि इन भीड़भाड़ वाले घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। घाटों पर कंट्रोल रूम, पर्याप्त लाइटिंग, चेंजिंग रूम पानी के अंदर ब्रैकेटिंग आदि शामिल है ताकि छठ व्रतियों के अलावा अन्य श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।वहीं, विशेष रूप से बुढी गंडक नदी प्रमुख घाटों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए एनडीआरएफ की टीम की तैनाती के लिए आवश्यक दल उपलब्ध कराने को लेकर अंचलाधिकारी को पत्र लिखा जा रहा है।नगर प्रशासन का प्रयास है कि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिले तथा पर्व शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित व सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो।

छठ घाट एवं आसपास की स्वच्छता को लेकर
बीडीओ और मुखिया प्रतिनिधि ने दिया संदेश

मझौलिया (संवाद सूत्र)। मझौलिया प्रखंड के चनायनबांध पंचायत के वार्ड संख्या 07 स्थित मोहनी गांव में छठ घाट एवं आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन कुमार एवं पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शिवशंकर यादव ने ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए साफ–सफाई बनाए रखने की अपील की।इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन कुमार एवं मुखिया प्रतिनिधि शिवशंकर यादव ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सपना था कि देश में स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण हो। इस सपने को साकार करने के लिए प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि दीपावली और छठ जैसे पर्वों पर लोग जिस तरह अपने घरों की साफ–सफाई करते हैं, उसी तरह अपने कार्यालय, गली, नली एवं छठ घाटों की भी नियमित सफाई करनी चाहिए।उन्होंने लोगों से अपील की कि स्वच्छता को केवल पर्व–त्योहार तक सीमित नहीं रखें, बल्कि इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाए।आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने से बीमारियों का खतरा कम होता है और लोगों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। छठ पर्व के दौरान घाटों की साफ–सफाई विशेष रूप से जरूरी है, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा–अर्चना करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।अधिकारियों ने ग्रामीणों से सामूहिक रूप से स्वच्छता अभियान में सहयोग करने तथा गांव को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर पंचायत सचिव गौतम कुमार, जेई अमित राज, बीसी विनय कुमार, वार्ड सदस्य मुनि शाही, विद्याशंकर प्रसाद।

दीपावली की शाम साइबर कैफे में लगी आग
नकदी समेत हजारों की संपत्ति जलकर राख

हरसिद्धि (आससे)। छपवा मुख्य पथ पर हरसिद्धि दुर्गा मंदिर के सामने स्थित ए टू जेड साइबर कैफे में दीपावली की शाम अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग की चपेट में आने से कैफे में रखे लैपटॉप, प्रिंटर, लेमिनेशन मशीन, बैटरी, बायोमेट्रिक उपकरण समेत हजारों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। वहीं, काउंटर में रखे 10 हजार रुपये नकद भी आग की भेंट चढ़ गए। घटना दीपावली की शाम करीब साढ़े छह बजे की बताई जा रही है। कैफे संचालक पप्पू रंजन कुमार ने बताया कि वह शाम करीब छह बजे दुकान बंद कर अपने घर धनखरैया जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि उनकी दुकान में आग लग गई है। सूचना मिलते ही वह आनन–फानन में वापस दुकान पहुंचे। तब तक आग ने दुकान के अंदर रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया था। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।संचालक के अनुसार, आग लगने से लैपटॉप, की–बोर्ड, प्रिंटर, लेमिनेशन मशीन, बायोमेट्रिक मशीन, दो काउंटर, बैटरी समेत अन्य जरूरी उपकरण जलकर नष्ट हो गए।

दुकान में रखे 10 हजार रुपये नकद भी जल गए। उन्होंने आशंका जताई कि बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। दीपावली के दिन हुई इस घटना से कैफे संचालक को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। त्योहार की खुशियों के बीच दुकान में आग लगने से परिवार की चिंता बढ़ गई है।

दीपावली पर महादलित बस्ती में खुशियां बांटने पहुंचा प्रशासन

कल्याणपुर। दीपावली का पर्व खुशियों, प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द का प्रतीक माना जाता है। इसी भावना को साकार करते हुए दीपावली के शुभ अवसर पर कल्याणपुर पुलिस की ओर से एक सराहनीय सामाजिक पहल की गई। कल्याणपुर बड़ा बाजार स्थित महादलित बस्ती में पुनि स थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार पुलिस टीम के साथ पहुंचे और बस्ती के बच्चों एवं उनके परिवारों के बीच मिठाई वितरित कर दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस दौरान थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बच्चों से आत्मीयता के साथ बातचीत की और उनकी पढ़ाई–लिखाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को मिठाई देते हुए कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और मिठाइयां बांटने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह जीवन में खुशियों, सकारात्मक सोच और नई उम्मीदों का संदेश भी देता है। समाज के प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का समान अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने अभिभावकों से विशेष रूप से अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों को



नियमित रूप से विद्यालय भेजें और उनकी पढ़ाई में रुचि लें। बच्चों को बाल मजदूरी से दूर रखते हुए शिक्षा से जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही भविष्य का आधार है। आज बच्चे जितनी मेहनत और लगन से पढ़ाई करेंगे, कल उनका भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। शिक्षित बच्चे ही आगे चलकर अपने परिवार, गांव और समाज का नाम रोशन करेंगे।थानाध्यक्ष ने यह भी संदेश दिया कि पुलिस केवल कानून–व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर नियंत्रण करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के बीच पहुंचकर उनकी खुशियों में शामिल होना भी पुलिस की सामाजिक जिम्मेदारी है। पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर संबंध स्थापित होने से समाज में विश्वास, सहयोग और सुरक्षा की भावना मजबूत होती है।दीपावली के अवसर पर पुलिस पदाधिकारियों को अपने बीच पाकर महादलित बस्ती के बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। मिठाई पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज के वंचित और जरूरतमंद परिवारों को अपनापन महसूस होता है। साथ ही बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने का सकारात्मक संदेश भी मिलता है।इस मौके पर एसआई पिंकी कुमारी, विश्वजीत कुमार, पंडित, चौकीदार गजेन्द्र कुमार, ग्रामीण गुड्डू सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल मौजूद थे।

कल्याणपुर पुलिस की इस पहल ने दीपावली के पर्व पर सामाजिक सौहार्द, मानवीय संवेदना और शिक्षा के महत्व का एक अच्छा संदेश दिया।

चोरी की सामान की खरीद–बिक्री का खुलासा

सोनार की दुकान से पायल और सोने की दो नथुनी बरामद

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा थाना क्षेत्र में चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने चोरी का सामान खरीदने वाले एक स्वर्ण व्यवसायी को गिरफ्तार किया है। वहीं, चोरी की वारदात में शामिल एक नाबालिग को भी पुलिस ने निरुद्ध किया है। पुलिस की इस कार्रवाई में चोरी के गहनों की बरामदगी के साथ चोरी के सामान की खरीद–बिक्री करने वाले नेटवर्क का भी खुलासा हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीते छह नवंबर को कोटवा थाना क्षेत्र के गेरा गांव में एक घर को चोरों ने निशाना बनाते हुए गहनों की चोरी कर ली थी। घटना के बाद पीड़ित के आवेदन पर कोटवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर एक नाबालिग को पकड़ा। पूछताछ में उसने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि चोरी किए गए गहने उसने एक सोनार की दुकान पर महज 500 रुपये में बेच दिए थे।नाबालिग से मिली इस अहम जानकारी के बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर संबंधित सोनार की दुकान पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान दुकान से चांदी जैसी तीन जोड़ी पायल और सोने की दो नथुनी बरामद की गईं। इसके बाद पुलिस ने चोरी का सामान खरीदने के आरोप में तुरकौलिया थाना क्षेत्र के शंकर सौरया निवासी दुकानदार सतीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया।एसपी स्वर्ण प्रभात ने दी कार्रवाई की जानकारी–इस संबंध में एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि छह नवंबर को गेरा गांव में हुई चोरी की घटना के अनुसंधान के दौरान पुलिस को यह सफलता मिली है। नाबालिग की निशानदेही पर सोनार की दुकान से चोरी के गहने बरामद किए गए हैं और चोरी का सामान खरीदने के आरोप में दुकानदार को गिरफ्तार किया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चोरी के सामान का बाजार तलाशने वालों पर पुलिस की नजर–इस कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वालों के साथ–साथ चोरी के सामान की खरीद–बिक्री करने वालों पर भी पुलिस की पैनी नजर है। महज 500 रुपये में चोरी के गहने बेचने का खुलासा यह भी दर्शाता है कि चोरी की घटनाओं के पीछे सामान को खपाने वाले खरीदारों की भूमिका की जांच कितनी महत्वपूर्ण है। पुलिस की इस कार्रवाई को चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

पर्व की खुशियां अपनों के बीच मनाने की राह हुई आसान

श्रद्धालुओं को मिली निःशुल्क बस सेवा की सौगात

रेलवे स्टेशन और छतौनी चौक से 150 यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाया गया उनके घर

मोतिहारी (आससे)। काली पूजा एवं लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर मोतिहारी पुलिस ने आम जनता की सुविधा और सुरक्षा के लिए एक सराहनीय पहल की है। पर्व के अवसर पर दूसरे शहरों एवं प्रदेशों से अपने घर लौट रहे यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के उद्देश्य से जिला पुलिस द्वारा विशेष नि:शुल्क बस सेवा शुरू की गई है। पुलिस की इस मानवीय पहल से घर लौटने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी राहत मिल रही है।इस विशेष बस सेवा के तहत रेलवे स्टेशन एवं छतौनी चौक से कुल 150 यात्रियों को चिरैया, ढाका, छौड़ादानों एवं घोड़ासहन थाना क्षेत्रों में उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाया गया। बसों में यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जो न केवल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें आवश्यक सहयोग भी प्रदान कर रहे हैं।दरअसल, काली पूजा एवं छठ महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में लोग रोजगार और कामकाज के सिलसिले में दूसरे शहरों एवं राज्यों से अपने घर लौटते हैं। ऐसे में रेलवे स्टेशन और प्रमुख चौक–चौराहों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है।

खासकर देर शाम और रात के समय ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए परिवहन की समस्या उत्पन्न होती है। यात्रियों की इसी परेशानी को देखते हुए मोतिहारी पुलिस ने नि:शुल्क बस सेवा की व्यवस्था की है।इस पहल की खास बात यह है कि पुलिसकर्मी केवल सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यात्रियों को उनके घर तक पहुंचाने में सहयोगी की भूमिका भी निभा रहे हैं। इससे बाहर से आने वाले लोगों को अनावश्यक परेशानी, असुरक्षा और परिवहन संबंधी कठिनाइयों से राहत मिल रही है।मोतिहारी पुलिस की यह पहल पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास एवं सहयोग के रिश्ते को और मजबूत करने वाली है। त्योहारों के अवसर पर पुलिस का यह संवेदनशील और जनहितकारी चेहरा निश्चित रूप से सराहना के योग्य है।मोतिहारी पुलिस की इस पहल से यह संदेश स्पष्ट है कि पुलिस का दायित्व केवल कानून–व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि जरूरत के समय आम नागरिकों के साथ खड़े होकर उनकी मदद करना भी है। अपनों के बीच काली पूजा और छठ की खुशियां मनाने घर लौट रहे लोगों के सफर को सुरक्षित एवं सुगम बनाने की यह कोशिश वास्तव में एक सराहनीय कदम है।

कनाडा में नौकरी का सपना दिखाकर 12.43 लाख की साइबर लूट

● व्हाट्सएप पर बिछाया ठगी का जाल ● विदेशी शॉपिंग मॉल में नौकरी दिलाने का दिया झांसा ● दस्तावेजों के सत्यापन और चयन के नाम पर तीन बैंक खातों में मंगवाये रुपये

मोतिहारी (आससे)। विदेश में नौकरी पाने और बेहतर भविष्य बनाने का सपना देखने वाले युवाओं को साइबर अपराधी अब अपना निशाना बना रहे हैं। कनाडा के एक नामी शॉपिंग मॉल में नौकरी दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने मोतिहारी शहर के चांदमारी मोहल्ला निवासी राजकुमार तिवारी से 12 लाख 43 हजार 995 रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने पूरी साजिश को इस तरह अंजाम दिया कि पीड़ित को नौकरी मिलने का भरोसा होता रहा और वह उनकी बातों में आकर अलग–अलग बैंक खातों में रकम जमा करता गया। जब तक उसे ठगी का एहसास हुआ, तब तक उसकी लाखों रुपये की गाढ़ी कमाई ठगों के खातों में पहुंच चुकी थी। व्हाट्सएप पर विदेशी नंबर से आया नौकरी का प्रस्ताव प्पीड़ित की ओर से साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए दिए गए आवेदन के अनुसार, उसके व्हाट्सएप पर विदेशी मोबाइल नंबर +1 (772) 2083078 से संदेश आया। संदेश भेजने वाले ने कनाडा स्थित ओसावा सेंटर शॉपिंग मॉल में नौकरी दिलाने का प्रस्ताव दिया।

विदेश में नौकरी का अवसर मिलने की उम्मीद में राजकुमार ने प्रस्ताव में रुचि दिखाई। इसके बाद ठगों ने उससे शैक्षणिक प्रमाणपत्रों सहित अन्य जरूरी दस्तावेज मंगवाए। दस्तावेज भेजने के बाद उसे नौकरी की प्रक्रिया आगे बढ़ने और चयन होने का भरोसा दिलाया गया।चयन की सूचना देकर शुरू हुआ पैसे ऐंठने का खेल ञआवेदन के मुताबिक, कुछ समय बाद +1 9057286231 नंबर से पीड़ित के पास फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि कनाडा में नौकरी के लिए उसका चयन हो गया है। इसके बाद वीजा, दस्तावेजों और अन्य औपचारिकताओं के नाम पर करीब चार लाख रुपये खर्च होने की बात कही गई। नौकरी मिलने की उम्मीद में पीड़ित ठगों के बताए निर्देशों का पालन करता रहा। धीरे–धीरे उससे अलग–अलग बैंक खातों में रकम जमा कराई जाने लगी।तीन बैंक खातों में जमा कराए 12,43,995 रुपये पीड़ित के आवेदन में बताया गया है कि साइबर ठगों ने तीन अलग–अलग बैंक खातों में रुपये जमा कराने को कहा।

राजकुमार ने उनके झांसे में आकर कुल 12 लाख 43 हजार 995 रुपये ट्रांसफर कर दिए। रकम का विवरण इस प्रकार है ञपहले बैंक खाते में 2 लाख 85 हजार रुपये।दूसरे बैंक खाते में 4 लाख 29 हजार 995 रुपये।तीसरे बैंक खाते में 5 लाख 29 हजार रुपये।आवेदन में संबंधित खाताधारकों के नाम राजेश, रिया गारमेंट्स/प्रेमचंद और नारायण ट्रेडर्स बताए गए हैं। खास बात यह है कि शुरुआत में करीब चार लाख रुपये खर्च होने की बात कही गई थी, लेकिन नौकरी की प्रक्रिया के नाम पर पीड़ित से तीन गुना से भी अधिक रकम वसूल ली गई। ठगी का एहसास होते ही साइबर थाना पहुंचा पीड़ित काफी रकम जमा कराने के बाद भी जब नौकरी और कनाडा जाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी तथा ठगों की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तब राजकुमार को अपने साथ धोखाधड़ी होने का एहसास हुआ। इसके बाद उसने साइबर थाना में आवेदन देकर पूरे मामले की शिकायत की। पीड़ित ने पुलिस से संबंधित बैंक खातों को तत्काल फ्रीज कराने, खातों में जमा रकम और उसके लेन–देन की जांच करने, विदेशी मोबाइल नंबरों की पहचान करने तथा ठगी में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार कर अपनी पूरी राशि वापस दिलाने की मांग की है।

विदेशी नौकरी के नाम पर ठगी से रहें सतर्क ञइस घटना एक बार फिर बताती है कि सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के माध्यम से विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर किस तरह साइबर ठगी का जाल फैलाया जा रहा है। बिना कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट, नियुक्ति पत्र, भर्ती एजेंसी की वैधता और वीजा प्रक्रिया की पुष्टि किए किसी भी अनजान व्यक्ति के खाते में रुपये जमा करना भारी नुकसान का कारण बन सकता है।इस संबंध में साइबर थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। पुलिस संबंधित बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के आधार पर जांच कर रही है।

जहां खुशियों का था इंतजार, वहां दीप लेकर पहुंचा खाकी

मोतिहारी (आससे)। दीपावली का पर्व यानी अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर उम्मीद और दूरियों पर अपनत्व की जीत। इस दिन हर घर दीपों की रोशनी से जगमगाता है, लेकिन समाज में कुछ ऐसे परिवार भी हैं, जिनके लिए आर्थिक अभाव के बीच त्योहार की खुशियां अधूरी रह जाती हैं। कहीं संसाधनों की कमी तो कहीं परिस्थितियों की मजबूरी बच्चों के त्योहार को सीमित कर देती है। ऐसे ही जरूरतमंद परिवारों और मासूम बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने के उद्देश्य से इस बार मोतिहारी पुलिस ने एक ऐसी पहल की, जिसने खाकी वर्दी के मानवीय और संवेदनशील चेहरे को समाज के सामने ला दिया।जब शहर और गांव दीपावली की रोशनी में नहाए हुए थे, तब जिले की पुलिस महादलित बस्तियों की गलियों में खुशियों का पैगाम लेकर पहुंच रही थी। इस बार पुलिस के हाथों में न तो कार्रवाई की फाइलें थीं और न ही पूछताछ के सवाल। उनके हाथों में मिठाइयों के पैकेट, बच्चों के लिए उपहार और दिलों में प्रेम, अपनत्व तथा सामाजिक जिम्मेदारी का भाव था। वर्दीधारी अधिकारियों को अपने बीच देखकर शुरुआत में लोगों के मन में कौतूहल जरूर हुआ, लेकिन जब पुलिसकर्मियों ने बच्चों को मिठाइयां और उपहार देने शुरू किए तो देखते ही देखते बस्तियों का माहौल खुशियों से भर गया।जब वर्दी के साथ पहुंची आत्मीयता, खिल उठे मासूमों के चेहरेइस आयोजन की खास बात यह रही कि डीएसपी, इंस्पेक्टर और थानाध्यक्ष जैसे जिम्मेदार पदों पर तैनात पुलिस अधिकारी अपने पद की औपचारिकताओं से बाहर निकलकर सीधे बच्चों और परिवारों के बीच पहुंचे। उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से मिठाइयां और उपहार दिए तथा उनके साथ दीप जलाकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। जिन पुलिस अधिकारियों को बच्चे आमतौर पर गश्ती वाहनों में या कानून–व्यवस्था संभालते हुए देखते थे, उन्हीं अधिकारियों को इस बार अपने बीच खुशियां बांटते देखकर उनके चेहरे खिल उठे।किसी बच्चे के हाथ में मिठाई का पैकेट था तो किसी के चेहरे पर खुशी की चमक। उपहार पाकर बच्चों की प्रसन्नता देखते ही बन रही थी।

कई परिवारों के लिए यह अनुभव इसलिए भी खास रहा, क्योंकि त्योहार के मौके पर पुलिस अधिकारी उनके दरवाजे तक पहुंचकर परिवार के सदस्य की तरह खुशियां बांट रहे थे।पूरे जिले में चला खुशियां बांटने का अभियान ञपुलिस की यह पहल किसी एक बस्ती या एक थाना क्षेत्र तक सीमित नहीं रही। जिले के विभिन्न अनुमंडलों और थाना क्षेत्रों में पुलिस पदाधिकारियों ने अपने–अपने क्षेत्र की महादलित बस्तियों में पहुंचकर दीपोत्सव मनाया। सदर वन, सदर ट्, चकिया, रक्सौल और पकड़ीदयाल अनुमंडल समेत विभिन्न इलाकों में डीएसपी, इंस्पेक्टर एवं थानाध्यक्षों ने महादलित परिवारों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस दौरान बच्चों को मिठाइयां और उपहार देकर उनके साथ दीप जलाए गए। पुलिस अधिकारियों की इस सामूहिक पहल ने यह संदेश दिया कि त्योहार की वास्तविक खुशी तभी पूरी होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के जीवन में भी खुशियों का उजाला पहुंचे। खाकी का एक और चेहरा—सुरक्षा के साथ संवेदना और अपनत्व ञआमतौर पर पुलिस की पहचान अपराध नियंत्रण, कानून–व्यवस्था, अपराधियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी होती है। लेकिन दीपावली पर महादलित बस्तियों में पहुंचकर पुलिसकर्मियों ने यह भी दिखाया कि खाकी का रिश्ता आम नागरिकों से केवल कानून और व्यवस्था तक सीमित नहीं है। पुलिस समाज का अभिन्न हिस्सा है और सामाजिक सरोकारों के प्रति उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।इस पहल के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को यह एहसास कराने की कोशिश की गई कि वे समाज की मुख्यधारा से अलग नहीं हैं। उनकी खुशियां, उनके सपने और उनके बच्चों की मुस्कान भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं, जितनी समाज के किसी अन्य वर्ग की।मिठाइयों से बढ़कर था विश्वास का उपहार ञदीपावली पर बांटी गई मिठाइयां कुछ समय बाद खत्म हो जाएंगी और बच्चों को मिले उपहार भी समय के साथ पुराने हो जाएंगे, लेकिन पुलिस अधिकारियों का उनके दरवाजे तक पहुंचना, उनके साथ बैठना और उनके बीच दीप जलाना निश्चित रूप से लंबे समय तक यादों में बना रहेगा। इस पहल का सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि समाज में विश्वास और अपनत्व का रिश्ता केवल शब्दों से नहीं, बल्कि छोटे–छोटे मानवीय प्रयासों से मजबूत होता है।मोतिहारी पुलिस की इस पहल ने